प्रवासी गीत | भोजपुरी

20.9.05

① पुरवा से रेलिया आवै पछुवाँ से जहजिया।
पिया के लादी लैवो ना।
रेलिया बैरिन मोरि सवतिया,
उहे जहजिया मोरि सवतिया
पिया के लादी लेगे ना।
सेर भर गोहुआँ बरिस भरि खावै
पिया जाये न दैबो ना।
रखबो अखिआँ के हजुरवा
पिया के जाये न दैबो ना।
कोटि जतन किया कहना न मानै
पिया परदेशी भइलै ना।
लाख जतन करौं जियरा न मानै
हमका मोहिया लागै ना
सोचि कै पिया कै सुरतिया
हमका मोहिया लागै ना।
कैसे जियरा समझावौं
हमकाँ मोहिया लागै ना।

(स्रोत – गंगांचल (त्रैमासिक पत्रिका)
(जनवरी-मार्च-1996)
लोकेन्द्र डॉ. विश्वनाथ सिंह

लादे जहजिया पिया के चली जाय
जौने सहरवा मे मोर हरि नौकरा
लागे अगिनियां सहर जरि जाय
जौन सहरवा के मोर हरि नौकर
आवे बिमरिया साहेब मरि जाय
जोनी तिरियवा के मोर पिया राखे
डसे नगिनियां सवति मरि जाय

(स्रोत· गंगांचल - जनवरी मार्च - 1996)
लेख: डा० विद्याबिन्दु सिंह

3.

लागल झुलनिया का धाका, बलम कलकत्ता निकल गए

पिया-पिया कही पियर भइली, जइसे वृक्ष के पत्ता

बलम कलकत्ता निकल गये।

गवने रतिया सइया मंगले एक चुमा, मैं झुलनिया मंगनी ना

ओही चूमवा के ~~खातिर~~ बदले, मैं झुलनिया मंगनी ना

मैं झुलनिया मंगनी ना।

कइके झुलनि के कारनवा, पिया बिदेस गइले ना।

पढ़ना लिखले कैठी लिखले, लिख ले बुगान लता

स्टेशन से टिकट करवले, गइले शहर कलकत्ता

पिया बिदेस गइले ना।

डेलिया से उतरे जहजिया पर चढ़ले, पिया रंगुनवा गइले ना

हमरी झुलनी के नतिनवा, पिया रंगुनवा गइले ना!

आए रंगुन, हम कमावें सुनो जान, झुलनी लेके चार

जइबो ओकेदार।

चूमवा के खातिर लेवे झुलनी तीन पतिया।

बिना रे रंगून के कहरवा ~~कहरवा~~ कलकतिया।

राते-दिन करबे भले रे मेहनतिया

झुलनी लेके जइबे सोकदार।

(ऑडियो कैसेट से डेनआउट)

Oct. 2005.

कलकत्ता तू जान आ राजा हमार दिल कैसे लागी
ओ ही कलकत्ता में रंडी बसतु है, मोजरा करे हैं दिन राति
हमार दिल कैसे लागी।
ओ ही कलकत्ता में मलेरिया बसतु है, जाला दिन राति
हमार दिल कैसे लागी।
ओ ही कलकत्ता में तमोलिया बसतु है बीरा लगावे है दिन राति
हमार दिल कैसे लागी।

5.

रतिया के झुलनिया ले गइल चोर, छोटी ननदी -②
पियवा अस बोलेला हो, पियवा अस जगावे ला, पियवा जान
केवड़िया दिहलीं खोल, छोटी ननदी -②
पियवा के जनले हम गइली सेजरिया, छोटी ननदी
चोलिया के बंध दिहले खोल, छोटी ननदी -②
कुछ न कहले, बस फेरेले अंचरा पर हाथ, छोटी ननदी
अंखिया ले चुवे हमरी लोर, छोटी ननदी -②
जानल गेठरिया बोरले, संइया के पगरिया, छोटी ननदी
चीन्हली नाहीं करिया हउए गोर, छोटी ननदी ।②

(स्रोत: ऑडियो कैसेट 6 ग्रामाउट)
oct 2005

फीजी में बंधुआ मजदूरों की स्थिति

6.

काली कोठरिया मां बीते नाहीं रतिया हो,
किकरा से बताई हम पीर रे बिदेसिया।
दिन रात बीती हमरी दुख में उमरिया हो,
सूखल सब नयनवा के नीर रे बिदेसिया।

खून पसीने से सींचे हम बगिया,
बैठल-बैठल हुकुम चलावें रे बिदेसिया।
फिरंगिया के रजवा में धूरल मोरा देसुवा,
गोरी सरकार चली चाल रे बिदेसिया।

(स्रोत: गगनांचल - अप्रैल-जून-2000)
लेखक - धीरा वर्मा

कौनी के पंडुर्क हो

7.

भोली हमके देख अरकाटी भरमाया हो,
कलकत्ता पार आओ पांच साल रे बिदेसिया
डिपुआ में लाए पकरायो कागदुआ हो,
अंगुठवा लगाए दीना हाथ रे बिदेसिया।
पाल के जहाजुआ में ठोस-ठोस बैठी हो,
कइसे होय कालापानी पार रे बिदेसिया।
जीअरा डराए पार काहे नाही आए हो,
बीते दिन महीने मास रे बिदेसिया।
आई पार देखा जब फिजिया के टापुआ हो
भया मन हमरा उदास रे बिदेसिया।

कुदारी, कुरबाल दीना, हथवा में हमरे हो,
घाम में पसीनवा बहाए रे बिदेसिया।
खेतवा में नाम जब देवे कुलम्बरा हो,
मार-मार हुकुम चलाए रे बिदेसिया।

(स्रोत: गगनांचल - अप्रैल-जून 2000) SUNDAY 8

लेख - धीर वर्मा

फौजी

8.

सब कुछ खान सी० एन० आर की कोठरिया
छः फुट चौड़ी, आठ फुट लंबी,
उसी में धरी है कमाने की कुठरिया।
उसी में सिल आ उसी में लुढ़वा,
उसी में धरी चलावे की लकड़िया।
उसी में महल, उसी में दुमहला,
उसी में बनी है सोने की अटरिया।

सब कुछ खान सी० एन० आर की कोठरिया,
यही में खाना यही में सोना, यही में बहुत पतरिया
पास खड़ा सरदरवा देखे पर पै हरदम हाथ कुठरिया,
मूंड फटत है, देह दुखत है, टूटी जावै सबकी कमरिया।

(स्रोत: गागांचल अप्रैल-जून-2000)
श्रीमती वर्मा के लेख से

1/3/06

गायक - विष्णु ओझा
गीत - प्रो० लक्ष्मण [illegible]

9.

T-Series [illegible]

पंथ निहारत नैन सिराइले, भइल [illegible] बेहाल ।
ऐह बैरन रेलिया के चलते, जियरा [illegible] काल ।

सिटी बजाके, नींद उड़ाके, हिया धड़कावेले
इ रेलिया रोजे आवेले, बलमु के ना ले आवेले ।
तनि ना सुहाला ओह दिन के भिनसहरा ओकरे पर चढ़के
गइया गोइल रहन पहरा

लाज [illegible] के [illegible] में [illegible] आवेले -
रेलिया रोजे आवेले, बलमु के ना [illegible] आवेले ।

लाले लाले बोगी रहे, लाइन पर [illegible] हो
लिखल रहे पटनी [illegible] बनारस [illegible] हो
ट्रेन के गठरी के ठठरी [illegible]
रेलिया रोजे आवेले बलमु के ना आवे ।

लेके [illegible] चलि गइले गोइल [illegible] जान के ।
मन में आवे ओकरे पर चढ़ाई के [illegible] प्रान के ।
विष्णु के हिया के दरदवा ना [illegible] कैसे ।
[illegible] रोजे आवेले, बलमु के ना [illegible] ।

Oral Song

10. भोजपुरी पट्टी में स्त्री प्रवास (शादी के बाद ससुराल में ~~काम~~ के उनका काम)

पातर कुंइया,
पाताल खिलल पनिया
कइसे भरी ना, कइसे भरी ना
अपना ससुर जी के पनिया, कइसे भरी ना।
पनिया भरत मोरे बहिंया मुरकले
बोलाइदऽ ससुर जी पटना से बैदा।

अइले बैदवा, पलंग चढ़ी बइठे।
धरे के जाटवा धइले कलाइया।
बैद-अ ~~तोरे~~ बजा(बैदइया बजर परो ना।
बैदा तोरे बैदइया बजर परो ना।

(स्रोत: कुसुम्ही गाँव - भोजपुर
कौशल्या का गीत
11-1-2006 ई० आवास)

M	30	2	9	16	23
T	31	3	10	17	24
W		4	11	18	25
T		5	12	19	26
F		6	13	20	27
S		7	14	21	28
S	1	8	15	22	29

11.

पिया हमार मोरंग गइलन, मोरवन के ही डेरा
मोर पिया मोर ना लेवइलन.
मोरवन के डेरा से मोर, मोर पिया

FEB • • • 2006

M		6	13	20	27
T		7	14	21	28
W	1	8	15	22	
T	2	9	16	23	
F	3	10	17	24	
S	4	11	18	25	
S	5	12	19	26	

12.

पिया मोरा चललें रामा पुरबी बनिजिया
कि केरे धइहैं ना
मोरो उजरल बंगलवा कि केरे धइहैं ना ?

आगमन

पिया मोरा गइलें रामा पुरबी बनिजिया
के लेइहे हो अइलें ना
रात बेंदुली टिकुलिया कि लेइहे हो अइलें ना।

2006 9/3/06 JANUARY

DAYS 014-351

14

SAT

मौखिक स्त्री लोकनाट्य - 'डोमकच' से

(13) मति जाहू पियवा पूरबा के देस
पूरब देस में नारनी जोगिनिया से
अपना ही फाँसे फाँसि लेती है पियवा
पूरब के पानी से हो सड़ल बासी हो
कहाँ कहाँ मेहरी कोरही देबा हो मछरिया
सड़ल पाकल खयबो पियवा देहवा सुखैतो त
पूरब के डेरा मुज ने फेरअ मोरा पियवा
पूरब के देस में पनिया कमजोर सँइयाँ,
मति जा पूरब के देस मोरे पियवा ...

(नोट: जब जोगिनी की बात टालकर, उसकी बेरुखी प्रार्थना ठुकराकर डोम पूरब परदेस चला गया है और वापस लौटकर नहीं आता है तो परदेस से आनेवाला दूसरा राही जोगिनी के पति के परस्त्री-प्रेम की बात कहता है तो वह विकल हो उठती है)

→

SUNDAY 15

FEB 2006

M		6	13	20	27
T		7	14	21	28
W	1	8	15	22	
T	2	9	16	23	
F	3	10	17	24	
S	4	11	18	25	
S	5	12	19	26	

डोमकच ले

(14) अनारकली डोमिनी के डोम कहां गइले
.. डोम गइले राजा नगरिया उहें रह गइले
डोम गइले कलकतवा नगरिया उहें रह गइले
अनारकली डोमिनी के डोम कहां गइले
कलकतवा नगरिया में चुनरी बिकाला ओही में भुलइले
राजा के बेटी बड़ी मोहनिया ओही में भुलइले
कलकतवा नगरिया टिकुली बिकाला ओही में भुलइले
अनारकली डोमिनी के डोम कहां गइले

कलकतवा नगरिया झुलनी बिकाला ओही में भुलइले
अनारकली डोमिन के डोम कहाँ गइले ।

(स्रोत: ऊषा वर्मा - धामानगर

सिंह, दुर्गाशंकर प्रसाद – भोजपुरी के कवि और काव्य
– बिहार राष्ट्रभाषा परिषद, पटना
– 2001

प्रवासी गीतों का संकलन :–

p. 142. पं० बेनीराम

काहे मोरी सुधिया बिसराये रे बिदेसिया।
तड़पि-तड़पि दिन रैना गंवायो रे बिदेसिया
काहे मोसे नेहिया लगाये रे बिदेसिया!
अपने तो कूबरी के प्रेम भुलाने रे
मोहे सिख जोग पठाये रे ~~बिदे~~ बिदेसिया।
जिन सुख अधर अमी रस पाये रे।
तिन विष पान कराये रे बिदेसिया।
कहैं बेनीराम लगी प्रेम कटारी रे
[illegible] को मान भुलाये रे बिदेसिया।

SUNDAY 22

FEB • • • 2006

M		6	13	20	27
T		7	14	21	28
W	1	8	15	22	
T	2	9	16	23	
F	3	10	17	24	
S	4	11	18	25	
S	5	12	19	26	

p- 158. <u>विश्वनाथ</u>

सइयाँ मोरे गइले लमा पुरबी नगरिया ।
से लेइ हो अइले ना, सुघर बेंदुली टिकुलिया ॥
से लेइ हो अइले ना ॥

टिकुली में सारि समा बइठली अजरिया ।
से चमके लागे ना, मोरे बेंदुली टिकुलिया ।
से चमके लागे ना ॥

[illegible] पहिले आवे अंगना के [illegible] ।
से धड़के लागे ना, मोरा कोमल करेजवा ॥
से धड़के लागे ना ॥

खोलु खोलु धनिया अरे बजर केवरिया ।
से आजु तोरा ना, अइले सइयाँ परदेसिया ॥
से आजु तोरा ना ॥

कहें 'विश्वनाथ' धनि हवे तोर भगिया ।
से धम-धम बाजे ना, द्वार ढोलक पैंजनिया ॥
से धम-धम बाजे ना ॥

(नोट: बाहर से कमाकर के पति के लौटने पर पत्नी खुशी कीर्तन गाती है)

JAN • • • 2006

M	30	2	9	16	23
T	31	3	10	17	24
W		4	11	18	25
T		5	12	19	26
F		6	13	20	27
S		7	14	21	28
S	1	8	15	22	29

(ऋतु – विषय)

2-175. चुनरिया और रंग

मथवा पर हथवा दे के फरकैलिन गुजरिया, पिया नाहीं अइले ना

कहवाँ हमरे संग में खटिया, पिया घर नाहीं अइले ना ॥

बिरहा सतावे मोहीं चैन नाहीं आवे, काम मोरे कुछो गइलै ना

हम पा अइले हो पियवा, आस मोर पूरी हो गइले ना ॥

उमड़लि जोबनवाँ मोरा माने ना कहनवाँ, दुखवा भारी भइले ना ।

फरकौले पिया के मोर सजनिया, दुखवा भारी भइले ना ॥

सूना लागेला बखरिया, नाहीं भावेला सेजरिया ।

हमरे कइलो ना चुनरी लाल रंगू खटिया ना ।

FEB • • • 2006

M		6	13	20	27
T		7	14	21	28
W	1	8	15	22	
T	2	9	16	23	
F	3	10	17	24	
S	4	11	18	25	
S	5	12	19	26	

p-175 - रसिक - 'पूर्वी तरंग' से

"पिया मोर गइले रामा हुगली सहरवा से लेई अइले ना।
एक बंगालिन रे सवतिया से, लेई रे अइले ना॥
सेजवा पे सूते रामा धरी के पहरवा, पुतरिया जाले ना।
ऊजे आधी-आधी रतिया, सवतिया जाले ना।
सवती के ताना मोहि बागेला जहरवा, कहरवा डाले ना।
मोरा कसकत छतिया, कहरवा डाले ना।
'रसिक' बलमू अब गइले रे निकरवा से, बोले-चाले ना।
पिया मोहे भूल गइलें, ना बोले-चाले ना॥"

M 30	2	9	16	23
T 31	3	10	17	24
W	4	11	18	25
T	5	12	19	26
F	6	13	20	27
S	7	14	21	28
S 1	8	15	22	29

P.478. - भगरदेव

स्वामी मोरा गइले हो पुरबा के देसवा से देइ गइले ना।
एक सुगना खेलौना, से देइ गइले ना।
स्वाय के मांगे सुगना दूध भात जोरिया, से पूछे मांगे ना।
दूनो जोबना के बिचवा सूते से माते ना।
सास ननदि लेपथ [illegible] पटिलके पकरवा, से कुटे लागे ना
मोरी चोलिया के बंदवा से कुटवे लागे ना।
एक मन होला सुगवा मुँआ से पटकती, दूसर मनवा ना।
"भगरदेव" स्वामी के खेलौना, दूसर मनवा ना॥

P-179-180 — जगनाथ राम, धुरपत्तर और बुद्धू

ये तीनों बनारस के शहवान शायर के सगी भाई के शायर हैं। समय - 1920-1930 के बीच का है।

पूर्वी दोहादार

जब से बलमुआँ गइले, खो पतिया ना भेजले, पिया लोभाई गइले
कवने सवतिन के सेजरिया पिया लोभाई गइले ना ॥ टेक ॥
जबसे संइयाँ छोड़ के गइले, भेजे नहीं सनेस।
कामदेव तन जोर करतु हैं, दे गए कठिन कलेस।
सँइयाँ बेदरदी भइलें ना, हमरी लिहलें ना खबरिया
सँइयाँ बेदरदी भइले ना ॥ ①
तड़प-तड़प के रहूँ सेज पर, लगे भयावन रात।
जोबन जोर करै बिनु सइयाँ, ई दुख सहलि न जात ॥
कोई बिलमाई लेहली ना, गइले बंगाले नगरिया
कोई बिलमाई लेहली ना ॥ ⑪
आप पिया परदेस सिधारे, छोड़ अकेली नार।
पिया रमे सौतिन घर जाई, हमके दिया बिसार ॥
पिया बिसारी गइले ना, लइकल जोबना डगरिया ॥
पिया बिसारी गइले

JAN • • • 2006

दिल की आरजू दिल में रह गई, कहे मैं कहत अमाय
गम की रात कटत नाहीं कटे, सोच सोच जिया जाय।
पिया खताती कइले ना, लिहले हमसे फेर नजरिया ॥

पिया खुवारी कइले ना ॥ (IV) ॥

'शहवान' उस्ताद है हमो, डिपा शान बतलाय ।
जगरनाथ गुरु का मिलता जन मन खुसी हो जाय ।
आज बुनाई गइले ना, गाढ़े सुंदर तज कगरिया,
आज बुनाई गइले ना ॥ (V) ॥

P-181-182 (लालमणि)

1932ई में प्रकाशित - बड़ी प्यारी सुंदरी बियोग (विदेसिया)

पूर्वी

हमरा प्यारू के गवनवाँ बिदेसवा गइले ना ।।टेक।।
केतिको मैं लिखि-लिखि पतियाँ पठवलिं से नाहीं अइले ना।
निरमोही मोर सजनवा से नाहीं अइले ना ।।1।।
उठली जोबनवाँ, मोरा न माने कहनवाँ से बेदनवा भइले ना,
हमरे हिया के भितरवा, बेदनवाँ भइले ना ।।2।।
कवन बिधाता तोरा कइलूँ बिधि-बामा अभागिन कइले ना।
अबसे कवने के करनवाँ अभागिन कइले ना ।।3।।
मन में कुमति होती बाबाजी के घरवाँ से नाहक धइले ना,
हथवा बहियाँ सजनवाँ से नाहक धइले ना ।।4।।
लालमणि लागू पैयाँ, आ जाओ मोरी सेजिया से काहे देत ना
हमके कठिन कलेसवा से काहे देले ना ।।5।।

P-199 - रूपन (२०वीं सदी का प्रारंभ)

कजली

पिया हम तजड़े हमें गइले परदेसवा ना।
गये हमसे करके घात, सुनs सौतिन के साथ
नाहीं भेजवलs जबाब गइले सँदेसवा ना ।। पियाo
नाहीं कछु दिन रात, गरजे चढ़ल बरसात,
कब अइहैं मोहिं ऐही का अँदेसवा ना।
झींगुर बोले झनकार, सुजके पपिहा पुकार,
गोरियाँ फाट गइले जिगर औ कलेसवा ना ।। पियाo ।।
गोरिया कहैं समझाय, बलमा के दs मिलाय,
रूपन नाहीं तो हम धरबै जोगिन भेसवा ना ।।पियाo।।

P-207. मन्नूलाल और बुझावन

बनारस

पूर्वी विरहा

बोलियो के गोलिया लागल ।
जागल मोर सुगनवाँ, जाके फँसि हो गइले ना ।
काहू सौतिन के सेजवाँ में, जाके फँसि हो गइले ना ।
अबहीं तो रहलें खेलत डोलत अँगनवाँ कहवाँ निकसि हो गइ
अँखिया ढँकल नकल जनु कइलें कहाँ निकसि हो गइलें ना ।।
जनली नाहीं मरमिया ऊहै दूसरे के भवनवाँ केहु के बसि हो
हमरी सून कइ सेजिया गइलीं केहु बसि हो गइलें ना ।।
लेइके हियवा आपन खेललीं सहेलिया हमरे बसि हो गइलें
दिलवा लेरवा के निशनियाँ हमरे बसि हो गइलें ना ।।
मन्नूलाल बुझावन कहतें गावें, सोहावन अइसन धनि हो गइलें
बिरहबाज करेजवा गावें अइसन धनि हो गइलें ना ।।

D-209. शायर ब्राहमन

बनारस के कजली अखाड़े में से एक, इन्हीं के गुरु, रचना - 'बाँका छबीला गवैया'

पूर्वी

पूरब मत जाओ मोरे संइयाँ
ओही रे पुरबवा की बाँकी बंगालिनियाँ ।
जदुवा डारि रखिहैं मोरे रामा रे ।। पूरब० ।।
लामी लामी केसिया बड़ी बड़ी अँखिया रे
पनिया भरइहैं मोरे रामा रे ।।
छोड़ के बंगाले की नारी ।
आवे नाहीं देइहैं मोरे रामा रे ।। पूरब० ।।

03	FEBRUARY 2006
FRI	DAYS 034-331

P-253. लक्ष्मण शुक्ल 'मधुप'

स्रोत - गाँव डेकरिया जिला-

आधार ग्रन्थ - 1946

आपन हलिका कुनाई कुँअरजी, बेकरा हे करीं हम बयान।
आ पर [illegible] के परखना में परिकै मन मोर गइले मसान॥
चरवा हे [illegible] न लीटि फुलवारी, [illegible] [illegible] (बिना)
कुल धन [illegible] बिदेसवा में [illegible] न [illegible] के [illegible]
[illegible] बिदेसन के [illegible] [illegible] बा, न [illegible] [illegible] [illegible]
[illegible] फुलवारी के [illegible] ~~[illegible]~~ [illegible] [illegible] [illegible]
[illegible] के [illegible] के [illegible] [illegible] न [illegible] [illegible] [illegible]
[illegible] के [illegible] [illegible] [illegible] [illegible], न [illegible] [illegible] [illegible] [illegible]

FEB • • • 2006

M	6	13	20	27
T	7	14	21	28
W 1	8	15	22	
T 2	9	16	23	
F 3	10	17	24	
S 4	11	18	25	
S 5	12	19	26	

P-266. शिवनंदन कवि

मौजमपुर, बड़हरा, शाहाबाद, जिला भोजपुर के निवासी, कुछ समय में कवि कलकत्ता-प्रवासी

x

अब ना बाँची कलकत्ता, विधाता पुरबलs ॥ टेक ॥
[illegible]
[illegible] विधाता पुरबलs ॥
[illegible]
[illegible] विधाता पुरबलs ॥
[illegible]
[illegible] विधाता पुरबलs ॥
[illegible]
[illegible] विधाता पुरबलs ॥
[illegible]
[illegible] विधाता पुरबलs ॥
[illegible]
आपन [illegible] विधाता पुरबलs ॥
[illegible]
[illegible] विधाता पुरबलs ॥
[illegible]
[illegible] विधाता पुरबलs ॥

M		6	13	20	27
T		7	14	21	28
W	1	8	15	22	29
T	2	9	16	23	30
F	3	10	17	24	31
S	4	11	18	25	
S	5	12	19	26	

[illegible] [illegible], [illegible] [illegible] [illegible]
[illegible] [illegible] [illegible], [illegible] [illegible] [illegible], विधाता बुनकर ॥
[illegible] [illegible] [illegible] [illegible], [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] ?
[illegible] [illegible] [illegible] [illegible], विधाता बुनकर ॥
[illegible] [illegible] [illegible], बाड़-बाड़ करी [illegible],
[illegible] [illegible] बाड़ के [illegible], विधाता बुनकर ॥
[illegible] [illegible] [illegible] [illegible], [illegible] [illegible] [illegible] [illegible],
सब काला रंग में रंगाता, विधाता बुनकर ॥
[illegible] [illegible] [illegible], [illegible] मन में [illegible] [illegible],
[illegible] [illegible] के उतपाता, विधाता बुनकर ॥
[illegible] [illegible] [illegible] [illegible] के [illegible] [illegible],
[illegible] [illegible] [illegible] [illegible], विधाता बुनकर ॥
[illegible] [illegible] [illegible] [illegible], [illegible] [illegible] [illegible] [illegible],
शिवचंद्र 'कवि' भाग में समाता, विधाता बुनकर ॥

FEB • • • 2006

M		6	13	20	27
T		7	14	21	28
W	1	8	15	22	
T	2	9	16	23	
F	3	10	17	24	
S	4	11	18	25	
S	5	12	19	26	

अनत, अभिमन्यु - लोकां परीता (लोक परम्परा 1977)

p-80:

मोरे नैहर के ढँड़ेलवा लेके तू पहुँचो
मोरे मैया तारक हूँ मैं तोरी गह
गैवा के कुँआ पानी है गरल होवे
कि अमरत न चोला चहूँ ओर
गाड़िया मोरे जो तोहे आने न देवे
मोरे मैया देना न तू आके चंदहार
मोरे नैहर ......

(लोक परीनाम)

MAR • • • 2006

M		6	13	20	27
T		7	14	21	28
W	1	8	15	22	29
T	2	9	16	23	30
F	3	10	17	24	31
S	4	11	18	25	
S	5	12	19	26	

08 FEBRUARY 2006

WED

DAYS 039-326

P-113.

इतना भयानक बीत गइल मैया
२२ गयरन नीदवा छाती हे मैया
ऐसा
अगेवा बढ़न कौ हो गयल फजीरवा
आगे बढ़न की आती बढ़न को।

(पारय परनीना (७))

FEB • • • 2006				
M	6	13	20	27
T	7	14	21	28
W 1	8	15	22	
T 2	9	16	23	
F 3	10	17	24	
S 4	11	18	25	
S 5	12	19	26	

P-136. -

पटकवा के आगवा मैंया छज लोगा करे
· आगवा जो लगे हिरदयवा में मैंया
ओके कोई ना करे मैंया कोई ना करे।
चावल के कुंदियन च्यू-च्यू चाटे
पर दुखवा जो बेंटे तो मैया रे मैंया।

P-146. तोहे का मिलेला ओ राजा
गरीबन के रोना दुखवा के ?
खेतवा तोहरे हेवे
महल भी राजा
हमार तोहरे सा महल ना होवे
तोहे का मिलेला ओ राजा
हमार हकवा के मार के . . .

(लोक गीत 6)

MAR • • • 2006

M		6	13	20	27
T		7	14	21	28
W	1	8	15	22	29
T	2	9	16	23	30
F	3	10	17	24	31
S	4	11	18	25	
S	5	12	19	26	

P-196 .. સાંજના ઓટલે ૯ ... કમાનીને

...પુરવણા કે પરિપૂર્ણ અધૂરું જાણે !
તરછૂ ન ડેરાવ તોરણો સિંદુરના નાત દાન
નહિંતર બિનહક ગમ લિબાવા ઝૂમાય
નહિ ચઢી સરવા-વેરી ભીતિ હો જાય
રણકાર કે અમો રોવે જાણ હાં વેગાળ
કોતો તૂટે ધકે ઉડવો અર્જાત ને ધન...

(ભોરચ પટેલ ૯)

FEB • • • 2006				
M	6	13	20	27
T	7	14	21	28
W 1	8	15	22	
T 2	9	16	23	
F 3	10	17	24	
S 4	11	18	25	
S 5	12	19	26	

8 - २२१-२२

ओरवा से गिरी गयले गोतीके चुनरिया
बड़ी गइली ठंडवा करी के लिया
गाली के जगेले चखाके रात भर मँवर
गोती/पीत रहरवे सैयाँ जगेले रतवा
ओरवा से गिरी गयले गोती के चुनरिया।
बड़ी गइली ठंडवा करी के लिया
लौटन के बेसवा के जादू-टोना के फँसीके
सैयाँ भूली गयले गोती के घरवा —
गोती के घरवा।

(भोजपुरी गीत)

SUNDAY 12

MAR • • • 2006

M		6	13	20	27
T		7	14	21	28
W	1	8	15	22	29
T	2	9	16	23	30
F	3	10	17	24	31
S	4	11	18	25	
S	5	12	19	26	

पृ- 226.

क्योंकि नाम हम मारीच के दीपता है...
पहुँचे आती हम पानी को खोजना... पानी को..
पहुँचे मैं मिलोजार कौनज की मांग है...
खिलखिलाकर गायली हम मज़दूरा की पीढ़ियाँ...
कोल्हू के बैल बने दुबकने पीसना को..
छोड़ना था देख आपना कुली बनना को...
कुली...

(लाल पसीना से)

FEB • • • 2006

M	6	13	20	27
T	7	14	21	28
W 1	8	15	22	
T 2	9	16	23	
F 3	10	17	24	
S 4	11	18	25	
S 5	12	19	26	

27·12·06
Wednesday

ना अपुर्ण हो ना अपूर्ण
साराभ्याही ये भानवाँ प्यारा ना अपूर्ण

04/02/2007

बरदूजसिया नालवा लरकेला
हाथ रे चरखाला ।

MAR • • • 2006

M		6	13	20	27
T		7	14	21	28
W	1	8	15	22	29
T	2	9	16	23	30
F	3	10	17	24	31
S	4	11	18	25	
S	5	12	19	26	

अनंत, अभिमन्यु - आत्मविसापन
- प्रभात प्रकाशन,
चावड़ी बाजार, दिल्ली-6

नाटक - मॉरिशा गवाही देना...

P-86.

'दिनवा गनत मोरी अंगुरी खिअइली
आरे बटिया जोहत नयन लोर झरि गयली
जँतवा चलावत भर गइले फोड़वा त हथवन मोरी
पियवा अबहूँ ने अयलें नाहीं समझे दइवा मोरी
दिनवा गिनते...."

('माँ, बेटी जाँता में गेहूँ पीस रही है। ~~माँ~~ बेटी जवान हो गई है। पिता अभी तक नहीं आया। पिता की बाट आज भी माँ देख रही है और जाँता चलाते (यानि जँतसारी में) अपना दुखड़ा गाती है।) note

FEB • • • 2006

M		6	13	20	27
T		7	14	21	28
W	1	8	15	22	
T	2	9	16	23	
F	3	10	17	24	
S	4	11	18	25	
S	5	12	19	26	

p-101

"घाम के मारल पसीना कोना के मारल खून बहे
के, ढोप पसीनवा के सौ ढोप खून से मिलहे
तब कहीं बनेला जाके ढोप रसवा के एगो।
रसवा के ढोप-ढोप से भरल होवे गनवा
गन्ना से भरल होवे देशवा के खेतवा
और खेतवन से उपजे देशवा के सोनवा
उहे सोनवा के गहनवा बड़े लोगन पहने
और मजदूरन के गहनवा रहे माटी के टिकवा..."

MAR • • • 2006

M		6	13	20	27
T		7	14	21	28
W	1	8	15	22	29
T	2	9	16	23	30
F	3	10	17	24	31
S	4	11	18	25	
S	5	12	19	26	

बंटी और बबली (फिल्म) - 2005

गीत - (गुलज़ार)

छोटे-छोटे शहरों से,
खाली बोर दुपहरों से
हम तो झोला उठा के चले

हम समंदर के अंदर चले

बारिश कम-कम लगती है
नदियाँ मद्धम लगती हैं
हम समंदर के अंदर चले ।
मिल-मिलके-मिल-मिल ला - 2
धड़क-धड़क धुँआ उड़ाये रे,
धड़क-धड़क सीटी बजाए रे,
धड़क-धड़क मुझे बुलाए रे ।

फलसिंह के साक्षात्कार

सं० - बैजनाथ प्रसाद साह/
मनोहर पुस्तक केंद्र शाहपुरी पटोरी (समस्तीपुर)

प्रकाशक - प्रकाशन परिवर्तन
9/2409, गली नं०- 13, कैलाश नगर,
दिल्ली - - 31

पृ० 18 - पिया कवन आइब दिल्ली कलकतिया में - 2
देवरा खेलन जाईं खेला पुरु नगरिया में - 2
धीरे धीरे टूट जाई आस के असरा
तब तरे देवरा हो भूर जाई पंजरा - 2
रंग कुल चाहे नाहीं तोरा कनिया के - 2
देवरा खेलन जाई खेला ...
जा र परिके तू बड़का अंगना
देवरा के बाटे आसरा के बड़ा दावा - 2
गुला चानी काटऽ नाऽ बैरनिया के -
देवरा खेलन जाई खेला ...

DEC • • • 2006

M		4	11	18	25
T		5	12	19	26
W		6	13	20	27
T		7	14	21	28
F	1	8	15	22	29
S	2	9	16	23	30
S	3	10	17	24	31

-19. जाके परदेशवा में -2 भुला गइल राजा जी,

अंखिया के सुलहा भूला गइल राजाजी -2

जाके परदेशवा ...

हमरा चेहरा से निखरल कुछो चाह था कुमालो,

हमरो पलक नहीं गिरे जबले सांझ न हो जाला -2

मतलब त निकलिन के -2 चला गइल राजाजी

अंखिया के सुरमा ... हमरा ओरव तोहर निंदिया

हमरा ... तोहर निंदिया

हमरो चाहत के मालिका हमरा खून के तू गोतिया -2

पूरा से आखर -2 चला गइल राजाजी

अंखिया के सुरमा ...

हमरु ओहिके आवतानी जइसा टूटा गइल पानी

हमर कालहे के आदिकाल भरवा अब नाहीं मानी -2

अंखिया के सुलहा ...

हमरा चांद से का कहि, बहुत नाते के अखबार,

हमरो नहें नेन भटकता, पूछी हमरो चुप-चुप रहता -2

दे कइसन फेरा में -2 फंसी गइल राजाजी

अंखिया के सुलहो ...

NOV • • • 2006				
M	6	13	20	27
T	7	14	21	28
W 1	8	15	22	29
T 2	9	16	23	30
F 3	10	17	24	
S 4	11	18	25	
S 5	12	19	26	

पृ० 39

आजे गाड़ी चाली म्हारोओली रे राजाजी - 2
भूले के मनवा करे रडवा गोड़ो रे राजाजी - 2
समाचार को पूछ लागी, सब कुछ के पूछ वा - 2
कुर्के के ला कुमते होसुब, कवना बात के पूछ वा
भूरी जे गइके मिलवे नोकरी मोड़ डी रे राजाजी - 2
भूले के मनवा करे रडवा...

बारह-तेरह घंटा लागी आ ज्यादह बिहार में - 2
सुनता जवानी के हरियरी इंतजार में
ओके प्रीत बरसा के तन-मन खोड़ी रे राजाजी - 2
भूले के मनवा करे रडवा...

रब्बी अब जाने गाति बदहवाई - 2
हर खड़ी जाके टिकट पवनी दुहाई
आइट न कुछो रडवा के हम रवोजी रे राजाजी - 2
भूले के मनवा करे रडवा...
आजे गाड़ी चाली म्हारीओली रे राजाजी

DEC • • • 2006

M		4	11	18	25
T		5	12	19	26
W		6	13	20	27
T		7	14	21	28
F	1	8	15	22	29
S	2	9	16	23	30
S	3	10	17	24	31

५.४०.
जल्दी करऽ तू हे नोकरिया हमहूँ बाहर जाइब ना -2
बाहर जाइब ना ए राजा बाहर जाइब ना -2
जो तूहू हे धनिया बाहर जइबू ना -2
[illegible] मारी हे ताना रे ननदिया, कुँअवो भी पड़ब ना - 2
जो तूहू राजा कुँआ में पड़बऽ ना -2
कवना मुँह से लेके सेजरिया, तूहू कहवाँ अइब ना -2
जो तूहू धनिया हो अइसे अइसे करबू ना -2
तोहरा लोगवा हम सौतनिया
आगुर लेके अइब ना -2
जो तूहू राजा हो सौतनिया लइबऽ ना -2
तू त जेल के हवा खइबऽ ना -2
अतना प्यारी राजकुमारी धनिया छोड़वा पाइब ना -2
आँखी के लोरवा [illegible] ना - 2
जबले जिअल : [illegible] हमहूँ और लइबऽ ना 2
हतना प्यारी . . . जवने . . . .

NOV 2006				
M	6	13	20	27
T	7	14	21	28
W 1	8	15	22	29
T 2	9	16	23	30
F 3	10	17	24	
S 4	11	18	25	
S 5	12	19	26	

(मंगला प्रकाशन, 9/2011, गली नं-4, वेलकम, दिल्ली-31)
Ph: 011-22073545

2006 NOVEMBER

DAYS 329-036

25 SAT

कल्पना द्वारा गाये गीतो से

-7- जा तड़ऽ परदेशा बलमुआ

जा तड़ऽ परदेशा बलमुआ
छोड़ि के आपन देश बलमुआ
का दिखलाइब पंडित जी से बोलवा के पोथी पतरा
हमरो चुमा ले ल राजाजी बनी जाई जतरा।

दुनो हाथे पकड़ऽ कमरिया, रतिया सजनी बेल्हावल
अँखियन में अँखिया डाल के पल भर समैया काट ल
रपना हमार देखऽ, कजरा के धार देखऽ,
रूप के सिंगार देख जाना...
जा तड़ऽ परदेशा बलमुआ छोड़ के आपन देश बलमुआ
हमरो चुमा ले ल राजाजी बन जाई जतरा।

छोड़े कमाए जना के तू जाइब ऽ
बहरो पर बैठ तू पम्मारहो..
घर के लछमी हुई सजनवा बतिया पे कर विचार हो
इसीन नचार करऽ, हाली हाली प्यार करऽ
हमरी बतिया रखऽ ऽ काहे लऽ ऽ।
जा तड़ऽ परदेश..
छोड़ के आपन देश
हमरो चूमा ले ल राजाजी बन जाई जतरा

SUNDAY 26

DEC 2006

27 MON

NOVEMBER 2006

DAYS 331-034

ਕਈਲੇ ਕਰਿਆ ਜਿਨਾਂ ਕਲਜੁਗਾ, ਤਾਂਹੀਂ ਕਮੀਆਂ ਦੇਸ਼ ਦੇ
ਰਹਿਣ ਕਚ ਕੇ ਉਹਨਾਂ ਦੇ ਨਾਲ ਮਾਲਾ ਮੋਹਕਤਾ ਦੇ ਖੇਲ ਵਿ,
ਕਹਿਣ ਯਾਂ ਪਿਤਾ ਰਹਿਣ ਅਕਾਲ ਪੀਆ ਕਰਕੇ ਹਮੇਂ
ਫਰਿਆਦ;

ਜਾਂ ਨਹੀਂ ਪਾੜੇਗਾ ਕਲਯੁਗ
ਛੋਡ ਕੇ ਆਪਣੇ ਦੇਸ਼ ਕਲਯੁਗਾ.. ਦਸੋ ਯੁਗਾ..
ਜਿਲਜੁਲ ਕੇ ਰਹੀਏ ਸਭਨੇ ਪਿਆਰ ਕਰੀਏ ਨ ਕੋਨੋ
ਹਸੋ ਯੁਗਾ ਤੋਂ ਦੇ.... ਜਾਫਤ

NOV • • • 2006					
M		6	13	20	27
T		7	14	21	28
W	1	8	15	22	29
T	2	9	16	23	30
F	3	10	17	24	
S	4	11	18	25	
S	5	12	19	26	

पारंपरिक

p- 8

रेलिया बैरन पिया को लिये जाय है।

रेलिया बैरन पिया को लिये जाय है - 4
जउने टिकट से पिया मोर जइहें - 2
चलिया करते - 2 टिकट गल जाये है - 2
रेलिया बैरन पिया को लिये जाये है।

जउने शहर में पिया मोर जइहें - 2
अगिया लागे - 2 शहर जाये रे - 2
रेलिया बैरन पिया को लिये जाय है - 3

जउने सहेबवा रे पिया मोर नौकर - 2
औलिया लागे - 2 साहेब मरि जाये है - 2
रेलिया बैरन पिया को लिये जाये है - 5

पृ॰ 13

चली गइल ऽ अंहरिया

सैंया जेकर परदेस बसल बा,
मनवा ओइसन अभागा का भागी,
तड़पत जिनगी कैसे गुजरी रतिया अँखियाँ जागी
रैनी के कजरवा अइसन सेजिया बुझाइल
लोरे से कजरा धोआइल
एक बिरहिन के दुःख के हिलवा केहू का जानपाई।

सांवरिया हो सांवरिया ..
गवना कराके काहे चलि गइल अंहरिया - 2
जल्दी-आ-जा सजनवाँ -- 2
रोजे कउवा अँगनवाँ उचारेला, केवाड़ी के पल्ला
चाहे से लहरेला किवड़िया।

सांवरिया हो सांवरिया - 2 जल्दी आ जा सजनवाँ -2

बाड़े जवानी हाथ ह गोली केहू जुड़ा बा जे ना कीसी,
अँखिया से दूर बड़े बड़े दिल के पास बा पानी
नजदीक रहके लगाइए आगि बा,
केकरा से जोगी हम - 2 जाके सवरिया -
सांवरिया हो सांवरिया -2

NOV • • • 2006					
M		6	13	20	27
T		7	14	21	28
W	1	8	15	22	29
T	2	9	16	23	30
F	3	10	17	24	
S	4	11	18	25	
S	5	12	19	26	

केकरो चिट्ठी जब अंगना में आवेला,
हो रोवन लागेला कि केहू भुलवेला,

है सांवरिया है सांवलिया, गौना भइले बाद चली गइल
अंगिया ..

DEC • • • 2006

M		4	11	18	25
T		5	12	19	26
W		6	13	20	27
T		7	14	21	28
F	1	8	15	22	29
S	2	9	16	23	30
S	3	10	17	24	31

पांचगीत

मार हो गइलऽ हो गइल!

एगो रोटी खातिर बिरवन में मार हो गइल - - 2
मार हो गइल हो मार हो गइल, एगो - 2

कोल्ड फिल्ड कलकत्ता गइली ना मिलल नोकरिया - 2
गांव में आके हम कइली खेती बरिया,
अरे पेटवो ना भरल पहार हो गइल - 2
एगो रोटी खातिर, बिरवन में मार हो गइल।

बबुआ के माई बुआरा बिखाई,
अचरा के फाड़ी फाड़ी बाबू के ओढ़ाई - 2
अरे देहिया लेपइली गोड़ उघार हो गइल - 2
एगो रोटी - 2

चुप रह चुप रह बाबू रे माई
बाबू लोग जीहें त फेर अच्छा दिन आई - 2
अरे बलमा बिहारी के जिनगी बेकार हो गइल - 2
एगो रोटी खातिर बिरवन में मार हो गइल

DEC 2006

M			11	18	25
T		5	12	19	26
W		6	13	20	27
T		7	14	21	28
F	1	8	15	22	29
S	2	9	16	23	30
S	3	10	17	24	31

पृ-29 पुअवा पकावे गोरिया

पकावे गोरिया हो पकावे गोरिया - 2
अपना परदेशिया ले पुअवा पकावे गोरिया - 2
जब परदेशिया आंगनवा बिच अइले,
चंदन से अंगना लिपावे गोरिया - 2

परदेशिया ले पुअवा पकावे गोरिया - 2
जब परदेशिया महल बिच अइले,
सोने जब आरती उतारे गोरिया - 2

परदेशिया ले पुअवा पकावे गोरिया - 2
जब परदेशिया पलंगा पर अइले,
सोने लय बेनिया डोलावे गोरिया - 2
परदेशिया ले पुअवा पकावे गोरिया - 2

SUNDAY 3

JAN • • • 2007

M	1	8	15	22	29
T	2	9	16	23	30
W	3	10	17	24	31
T	4	11	18	25	
F	5	12	19	26	
S	6	13	20	27	
S	7	14	21	28	

दिनेशलाल यादव व [illegible] के गाये गीत

(हीतनंद पब्लिकेशन, 1354, गली [illegible] वाली
फराशखाना, दिल्ली-6)

पृ.-10.

हमें जाइब परदेश तूरके नेहवा सनेह
गोरी कइसे मजा बा शहरिया में - 2
कहे पूरवी बयार झूमे मनवा हमार
कइसे मजा आवे गउवां नगरिया में - 2
[illegible]
घूमत संखिया सबरे बजरिया में - 2
छाया गोड़ के सोहावन लागे सबके जोगावन
झूमेंहि लेके बहार फुलवरिया में - 2
आवे जेठ के महिना चूवे तर तर पसीना
लागे गइल जवानी दुपहरिया में - 2
शहर में के परेशानी झूठ मिले नाहीं पानी
गड़बड़ गाँव की पढ़ाई झूठ करेलू बड़ाई
लइका अनपढ़ करिहा उमरिया में - 2
बिगड़ जाले डेहिया शहरिया में - 2
बाड़े शहर का अंदाज लइका होले फैशनबाज
लड़कि देख सीटी मारेला शहरिया में - 2
रहबू गाँव में मुलवा लोग सरेह में [illegible]
गोरी जिनगी होई जाली बेति नगरिया में - 2

M	4	11	18	25
T	5	12	19	26
W	6	13	20	27
T	7	14	21	28
F 1	8	15	22	29
S 2	9	16	23	30
S 3	10	17	24	31

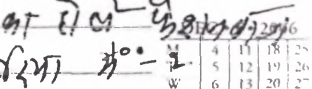

५-२०

जाए के कभी बम्बई जानि लिहा नाम
किस्मत नगरिया में भाग्य के बजरिया में
बिक जाता झूठ बिना दाम
जाए के कभी बम्बई जानि लिहा नाम।
महलों अंगूठी तू भाउक में कटिहा
फेरा में तू हीरे तू जानि परिहा
टूट्या चाईहा मन दुगो रोटी खइहा मैला
मेला में ही कटिहा रातों नाम।

हीरो के लागी जान बनिहा ना हीरो
अमिताभ धर्मेंद्र उनका आगे बा गीरो
बड़ बड़े एक्टर बा बड़-बड़ी हीरोइन
दुनिया के देखा तमाशा
जाए के कभी बम्बई जानि लिहा नाम

करबऽ का पिया जाके

पृ. 30

करबऽ का पिया जाके देह के नोकरिया – 2
घरवा से नीक नाहीं बाटे टाटा-झरियां – 2
करब ना नोकरिया त सोच बाटी धनिया
कहवाँ से आनी तोहके झुमका झुलनियां
झुमका- झुलनी सिंगार कुल संइया
कुल ह बेकार जब घरे ना देखवइया – 2
घर आँगन सब रोई मोर सेजरिया
घरवा से नीक नाहीं बाटे टाटा-झरिया – 2
आज तोके अकेले छोड़ कल बाटे जाना
तब घर रहल मोरे लागी माया
मुँहवा फुलइब झगड़ा करबू आड़े गुजरिया
कहवा से आनी तोहके झुमका झुलनियां – 2
रात दिन अंगना जइसन नदी बीन पानी – 2
बस हो प्यार बीन बेकार बा जवानी
कम नहीं देब चिपरा के पिपीया
घरवा से नीक नाहीं बाटे टाटा-झरिया – 2
जिनगी बेकार होई खेती के काद में
गोरी पछताबू लागब सांझ मन आड़ में
कहिया प्यार लागे हँस लागी सारी दुनिया
कहवा से आनी तोहके झुमका- झुलनियां

DEC • • • 2006

M		4	11	18	25
T		5	12	19	26
W		6	13	20	27
T		7	14	21	28
F	1	8	15	22	29
S	2	9	16	23	30
S	3	10	17	24	31

पृ-62

हम विदेसवा जइबे ना

चाहे हो खोल ना केवड़िया हम विदेसवा जइबे ना।
हम विदेसवा जइबे ना चाहे हो हम विदेसवा जइबे ना।
जी ए मोरे सजना तू जइबो हो विदेसवा -2
तनिका एतना कइदा ना हमरा नइहर के बोलवा
हम नइहरवा जइबे ना
जी ए गोरी धनिया जइबू हो नइहरवा
तनिका एतना कइदा ना
जेतना लागल मोर रुपइया सब तू देके जइहा ना
जी ए मोरे सइया हो लेके सब रुपइया
तनिका एतना कइदा ना
जइसन बाबा धावा रहली बाहेर कई के मंगीहा ना
ए मोरे धनिया हम त हवी ओ रहली
हम त धावे रहबे ना ना त तू जइबू हो नइहरवा
ना हम विदेसवा जइबे ना -2

JAN • • • 2007
M 1 8 15 22 29
T 2 9 16 23 30
W 3 10 17 24 31
T 4 11 18 25
F 5 12 19 26
S 6 13 20 27
S 7 14 21 28

(राधेश्याम दीक्षित और गुरुदेव
(गीतकार के भोजपुरी गीत

(मोहन प्रकाशन, 1 आजादहिंद मार्केट, लाल-किला, दिल्ली - 110006

पृ. 23.

पिया परदेश गइले

पिया परदेश गइले भेजले ना पतिया हो राम
केकरा से कहीं हम [illegible] हो राम
सासु ननदी गारी देली [illegible]
कइसी गोरिनिया हमके [illegible] निकालेली
से कवनो नाहीं पूछे मोरी बतिया हो राम।
पिया परदेश...

चढ़ली जवनियाँ में लागल बाटे अगिया
जल्दी से आव पिया लागी जाई दगिया
से देवरा के पागल भइले नजरिया हो राम।
पिया परदेश...
पिया, राधेश्याम जी अब ना तड़पाइ
देवरा सँवलशाला के आई झमकाई
से धक-धक धड़केला छतिया हो राम,
पिया परदेश गइ... ।

DEC • • • 2006

M		4	11	18	25
T		5	12	19	26
W		6	13	20	27
T		7	14	21	28
F	1	8	15	22	29
S	2	9	16	23	30
S	3	10	17	24	31

पृ॰ 28

ए संइया बानी गइलें दिल्ली राजधानी

आजही में बीती जाई हमरी जिंदगानी
ए संइया बानी गइला दिल्ली राजधानी - 2
करी के करार गइलऽ गवना कराइ के
छुरि हाथ में थमाइ के - 2
पपिहा आकाश में खोजे बूंद पानी,
ए संइयां . . . -2
परदेश में बचा के रहिह रखीह ना सवतिनिया
ना त संइया बनि जाइब कासी रे नगिनिया
हमरा के छोड़ि जनि कबहू नादानी
ए संइया . . . - 2
कहिया ले आइब राधेश्याम भेज पतिया
छछनता जियरा जुड़ाई देव छतिया
दूरवास बनारस के ले अइहऽ निशानी
ए संइया बानी गइलें दिल्ली राजधानी - 2

JAN • • • 2007

M 1	8	15	22	29
T 2	9	16	23	30
W 3	10	17	24	31
T 4	11	18	25	
F 5	12	19	26	
S 6	13	20	27	
S 7	14	21	28	

पृ- २१

कहिया घर अइबऽ

तोहरा रहिया में अँखिया बिछाईं
बलम कहिया घरे अइबऽ ।
अब ना सहाता दुःखे ना कहाता, कि
पिया वियोग के सहल ना जाता
देह टूटेला, आवेला अंगड़ाई बलम कहिया घ(र)
छूटे निंदिया बीतल ना आइल सपनवाँ ·
धीरे-धीरे चढ़ी गइल आँखि के ~~सपना~~ फगुनवा
देवरा बड़ा हवे हरजाई बलम कहिया घर अइबऽ
बबुआ केहतो आनु नहीं समझइहें
सीमा राधेश्याम के घर में गइहें
ना त दुनिया में होई लिखाई,
बलम कहिया घर अइबऽ

M		4	11	18	25
T		5	12	19	26
W		6	13	20	27
T		7	14	21	28
F	1	8	15	22	29
S	2	9	16	23	30
S	3	10	17	24	31

-२९

दुबइया ना सूट करेला सोना भइले फेल

दुबइया ना सूट करेला, सोना भइले फेल
संइया के चिट्ठी लिख के नाही, नरसी धारन देल
सपना में देखली पिया अइले घरे
चिट्ठी के ओ जानली जोबनवा लागे घरे
चढ़ल बा लबेरा तू आवा फेरो फेल
संइया के चिट्ठी...
पड़े लागे जूनवा आइल जुनिया के बाटे
हटे बाटे सइया सइया लेहि अइहे जरो
जावन नीके के बाटे बे अंरे लागल है मेल,
संइया के चिट्ठी...
देवरा लेवे हारा रोज ना धरावा
देहूँ हमार टूटत नइखे केतनो धरी तेल
संइया के चिट्ठी...
जल्दी करि चली अइहा नाही बिहार हम छोड़ब
फेर हम सबुर करब के चार साल रहब
राधेश्याम सोचल के दूधे कहेला मेल,
संइया के चिट्ठी...।

JAN • • • 2007

M	1	8	15	22	29
T	2	9	16	23	30
W	3	10	17	24	31
T	4	11	18	25	
F	5	12	19	26	
S	6	13	20	27	
S	7	14	21	28	

५.38 पृ. 31

जन जा पिया परदेश हो...

जन जा पिया परदेश हो
हमरा दिल के लगाई के ठेस हो...
पइसा न प्यार अब सांचे कहिले जन हमरा के चाही
साड़ी चोली मोहे पिया हो अब कुछ ना चाही
ना ही चाही ड्रेस हो ना चाही कीमती ड्रेस हो,
हमरा दिल के...
रतिया के सुतला पर जे जिया पागल, हमार कुटली का नवां
दुखी चैन से नाही जाइब अंखिया के लोरा, रह मान कहनवां
जब न रही जाई शेष, हमरा दिल के...
अंखिया में सइयां घूमत रही पिया तहरे सुरतिया
सोरहो सिंगार हम केकरा पर करब हमार मानेलऽ ना
दिल त रही हमरे मेरा,
हमरा दिल के लगाई के ठेस हो...

DEC • • • 2006					
M		4	11	18	25
T		5	12	19	26
W		6	13	20	27
T		7	14	21	28
F	1	8	15	22	29
S	2	9	16	23	30
S	3	10	17	24	31

F 31

कुसेल पिया जे चाली हो नोकर

कुरेल पिया जे चाली हो नोकर
जेठ के लेंगा जे चढ़ले बा
फिर पिया परदेश में
देवरा मजला इने बढ़इले बा...
कब के है आना खिड़की के बारे में
लागी गइल आहो हो नहरा इयाद में
नारी निगरे डी राति में आवे
सुतलो में फयदा उठइले बा...
इने भर में लागल हमार देह भहरार
अंखिया में आंखी नर लागल इजुआर
अबकी जब देखनी तब काटो दे चुंबक सटवले बा
देवी-की नहरा पर बइठावे कीस हो
नहरा ले माई लेहर बाडे कीस हो
जा ए नलायक ऽ नहरा लायक
तोड़े ऊ कसवा करले बा...
भइल जवानी मैं छोटी चली गइल ऽ
सैजिया पर हमरो हे बाया कुड़कइल
बिपने बहार हो गइल हमार नऽ
काहे ऊ सरवा [illegible] उरइले बा...

JAN 2007

M	1	8	15	22	29
T	2	9	16	23	30
W	3	10	17	24	31
T	4	11	18	25	
F	5	12	19	26	
S	6	13	20	27	
S	7	14	21	28	

5-46

भइया गाड़ी धइके आजा ....

भइया गाड़ी धइके आजा राजधानी हो - 2
भउजी मातल बाड़ी अपना जवानी हो ...
सखिया के बात हमके करेली परेशानी
इनके डरे हम तऽ सुतीले बथानी
हमरा ईंगारी बिछेली मच्छरदानी हो - 2
चढ़ली जवनिया में भइल बाड़ी पागल पागल
रात भर सुतेली नाहीं, रहेली जागल
सोली उंगी के मंगावेली दीवानी हो - 2
कइले बाड़ी अति नइखे गइल तू पहरा
अँखिया ले बाड़ू माई करी लोग पहरा
सबका परेशान बा तोहरा रानी हो - 2
विपिन बहार संगे कबो-कबो रहेली
नाम तोहार लीहीं ले तऽ कपार पर कहेली
नइके नाम 'वीरू' निशानी हो -- ।

DEC • • • 2006

M		4	11	18	25
T		5	12	19	26
W		6	13	20	27
T		7	14	21	28
F	1	8	15	22	29
S	2	9	16	23	30
S	3	10	17	24	31

पृ-48

बड़ा सतावता, आग लगावता

बड़ा सतावता, आग लगावता -2
राजा हो तहरा पानी में
संइया तू जाग हो देवरा अभागा
हाथ लगावता छाती में ... 2
हेने लगावता होने लगावता
कुअते नइखे बात के
सुतेला पर इ खिड़की से गे
देख ताके रात के
ना त बात सांच इ लागता पातो
धोखा करी इबो रानी में - ... 2
बाहर जाके कुछो रुपया पइसा ना कमाता
डेहरा में जान नइखे कुछ अनुरागता
एक कहानी है जान बानी -2
कुछो ना बाटे नाहीं में - 2
अपने बलिया दूध तावे, पीतर में खोर खा
बोलता पर उलटे हमके डांटता अगोड़ के
हे हमार राजा तू जल्दी से आजा
नाहीं ले लिही हम पानी में . . 2

SUNDAY 17

3.2

JAN 2007

M	1	8	15	22	29
T	2	9	16	23	30
W	3	10	17	24	31
T	4	11	18	25	
F	5	12	19	26	
S	6	13	20	27	
S	7	14	21	28	